

प्रेषक,

एनोएसो नपलच्चाल,
प्रमुख सचिव
उत्तरांचल शासन।

सेवामें
जिलाधिकारी,
हिरिद्वार।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: ३ दिसम्बर, 2005

विषय: उत्तरांचल फार्मस्यूटिकल्स प्रा०लि० को फार्मस्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु तहसील रुड़की के ग्राम नल्हेडा अनन्तपुर में कुल 0.164 है० भूमि क्य करने की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-243/भूमि व्यवस्था-भूमि क्य दिनांक 25 नवम्बर, 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय, उत्तरांचल फार्मस्यूटिकल्स प्रा०लि० को फार्मस्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु उत्तरांचल (उ०प्र० जमीदारी विनाश एंव भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एंव उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(V) के अन्तर्गत तहसील रुड़की के ग्राम नल्हेडा अनन्तपुर में कुल 0.164 है० भूमि क्य करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

1- केता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलैक्टर, जैरी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि क्य करने के लिये अई होगा।

2- केता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

3- केता द्वारा क्य की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्य विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की


 ... (2)

गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ क्य किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4- जिस भूमि का संकरण प्रस्तावित है उसके भूखामी अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि क्य से पूर्व राम्यधित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5- जिस भूमि का संकरण प्रस्तावित है उसके भूखामी असंकरणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।

6- आवेदक रथापित किये जाने वाले उद्योग में उत्तरांचल के निवासियों को 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन उपलब्ध करायेगा।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय

(एन०एस० नपलच्चाल)

प्रमुख सचिव

संख्या एंव तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।

2- आयुक्त, गड्डवाल मण्डल, पौड़ी।

3- सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तरांचल शासन।

4- श्री सुरेश खुराना, निदेशक, उत्तरांचल फार्मसीयूटिकल्स प्रा०लि०, नि०-आर-९/23 राजनगर, गाजियाबाद।

5- निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तरांचल संचिवालय।

6- गार्ड फाईल।

आज्ञा/श्री,

(रोहन लाल)

अपर संचिव।